世界の幸せをカタチにする。
Creating Peace & Happiness for the World
Musashino University
武蔵野大学 学術機関リポジトリ
Musashino University Academic Institutional Repository

A Japanese Translation of Subhadra Kumari Chauhan’s Jhansi ki Rani

メタデータ	言語: jpn 出版者: 公開日: 2019-07-05 キーワード (Ja): キーワード (En): Subhadra Kumari Chauhan, Jhansi ki Rani, Lakshmi Bai, Indian Rebellion of 1857 作成者: 佐藤, 裕之 メールアドレス: 所属:
URL	https://mu.repo.nii.ac.jp/records/1039

A Japanese Translation of Subhadra Kumari Chauhan's *Jhansi ki Rani*

SATO Hiroyuki

Key words

Subhadra Kumari Chauhan/ *Jhansi ki Rani*/ Lakshmi Bai/ Indian Rebellion of 1857

Summary

Subhadra Kumari Chauhan (सुभद्रा कुमारी चौहान) is one of the best-known female Indian poets from the first half of the 20th century. This work presents a Japanese translation of *Jhansi ki Rani* (झांसी की रानी), "Queen of Jhansi," which is Chauhan's most famous poem.

Chauhan was born in Ilahabad (इलाहाबाद) in the northern Indian state of Uttar Pradesh (उत्तर प्रदेश) on August 16, 1904. In 1919, after marrying, she moved to Jabalpur (जबलपूर) in Madhya Pradesh (मध्य प्रदेश), a state in central India. During her lifetime, the growing independence movement was gaining momentum; she joined the Non-Cooperation Movement in 1921 and was imprisoned in 1923 and 1942. After India's independence, she was chosen to serve as a member of the state's legislative assembly. On February 15, 1948, she died in a car accident onher way back to Jabalpur from Nagpur (नागपुर) in Maharashtra (महाराष्ट्र), a state in mid-western India, after attending an assembly session.

Jhansi ki Rani is a poem about a queen who boldly confronted India's domination by England's East India Company in the 19th century. *Jhansi ki Rani* is Chauhan's most famous poem because it inspired the independence movement of the 20th century.

Jhansi is situated on the southern bank of the Yamuna (यमुना) River in the Bundelkhand (बुंदेलखंड) region on the border of Uttar Pradesh and Madhya

Pradesh. It once belonged to the Maratha (मराठा) Confederacy, a former princely state. The poem *Jhansi ki Rani* recounts the life of Lakshmi Bai (लक्ष्मी बाई), queen of this former princely state. She is one of many brave Indian women, and statues of her can be seen not only in Jhansi but also in many of India's cities.

スバドゥラー・クマーリー・チョウハーン作「ジャーンシー・キー・ラーニー」翻訳

佐　藤　裕　之

スバドゥラー・クマーリー・チョウハーン作「ジャーンシー・キー・ラーニー」翻訳

佐藤　裕之

〈キーワード〉スバドゥラー・クマーリー・チョウハーン／「ジャーンシー・キー・ラーニー」／ラクシュミー・バーイー／インド大反乱

スバドゥラー・クマーリー・チョウハーン（सुभद्रा कुमारी चौहान）は、20世紀前半を代表するインド女流詩人のひとりで、その代表作がここに翻訳する「ジャーンシー・キー・ラーニー（झांसी की रानी）」、すなわち「ジャーンシーの王妃」である。

スバドゥラー・クマーリー・チョウハーンは、1904年8月16日にインド北部ウッタル・プラデーシュ（उत्तर प्रदेश）州のイラーハーバード（इलाहाबाद）で生まれ、結婚後の1919年、インド中部マディヤ・プラデーシュ（मध्य प्रदेश）州ジャバルプール（जबलपूर）に住まいを移した。彼女が生きた時代は独立運動の機運が高まる時代で、彼女自身も1921年に非同盟運動に身を投じ、1923年と1942年に投獄されている。独立後、州の立法委員に選出され、その委員会に出席後の1948年2月15日、インド中西部マハーラーシュトラ（महाराष्ट्र）州ナーグプル（नागपुर）からジャバルプールに戻る途中、交通事故に遭い、43年の短い生涯を終えた。

「ジャーンシー・キー・ラーニー」が彼女の代表作である理由は、19世紀中庸、イギリスの東インド会社によるインド支配に果敢に立ち向かったひとりの王妃を題材とし、20世紀の独立運動を精神的に鼓舞したことにある。彼女は、「ジャーンシー・キー・ラーニー」の他にも、「ヴィーローン・カー・カエサー・ホー・バサント（वीरों का कैसा हो बसंत、勇者たちの春）」、「ラーキー・キー・チュノーティー（राखी की चुनौती、ラーキーの挑

戦）」、「ヴィダー（विदा、別れ）」等の詩によって、20世紀の独立運動を鼓舞した。

ジャーンシーは、ウッタル・プラデーシュ州とマディヤ・プラデーシュ州の境界、ヤムナー（यमुना）川南岸一帯のブンデールカンド（बुंदेलखंड）地方に存在した一藩王国であり、マラーター（मराठा）同盟に属していた[1)]。「ジャーンシー・キー・ラーニー」はこの藩王国の王妃ラクシュミー・バーイー（लक्ष्मी बाई）の生涯を謳った詩である。彼女はインドの代表的な女傑で、ジャーンシーを初め、インドの多くの町に彼女の銅像があることが、それを如実に物語っている。

「ジャーンシー・キー・ラーニー」には、王妃の生涯と出来事が述べられているが、それらを含め、関係する事項は以下の通りである。

1827年11月19日

ヴァーラーナシー（वाराणसी）のバラモンの家に生まれる。父親はモーローパント・ダンベー（मोरोपंत ताम्बे）、母親はバーギーラティー・バーイー（भागीरथी बाई）。マニカールニカー（मणिकर्णिका）と命名。

1831年

4歳の時、母親が亡くなり、父親と一緒に、マラーター同盟の元宰相であったバージー・ラーオー2世（बाजी राओ Ⅱ）を頼り、カーンプル（कानपुर）近くのビトゥール（बिठूर）に移住。結婚までビトゥールで過ごす。

1842年

先妻を亡くしていたジャーンシーの王ガンガーダール・ラーオー（गंगाधार राओ）と結婚し、ラクシュミー・バーイーと名乗る。

1848年

藩王国に嫡子がいない場合、養子が後継者となることも認めず、東インド会社が併合するという「失権政策（Doctrine of Lapse）」をイギリスが発布[2)]。

1851年11月20日

嫡子ダモーダール・ラーオー（दमोधार राओ）を出産するが、4ヶ月で夭逝。

1853年11月20日

病気を患っていたガンガーダール・ラーオーの容態が悪化し、5歳であった遠戚のアーナンド・ラーオー（आनंद राओ）をダモーダール・ラーオーという名で養子にする。

1853年11月21日

ガンガーダール・ラーオー没。

1853年12月3日

「失権政策」により、嫡子のいないジャーンシーは東インド会社のものになってしまうため、王妃は最初の嘆願書を提出するが、却下される。

1854年2月16日

2回目の嘆願書を提出するも、再び却下される[3)]。この後も1856年まで、何度も嘆願書を提出するが、全て却下される。

1854年3月

東インド会社がジャーンシーを併合。

1857年5月9日

東インド会社の傭兵であったインド人兵士シパーヒー（सिपाही）がウッタル・プラデーシュ州メーラト（मेरठ）で蜂起し、「インド大反乱」が始まる[4)]。

1857年6月3日

メーラトでの反乱後、インド各地で起こった反乱に刺激され、ジャーンシーでも反乱が起き、8日にジャーンシーを奪還。

1858年3月25日

反乱鎮圧のため、イギリス軍がジャーンシーに到着し、攻撃。

1858年4月3日

ジャーンシー陥落。前日、王妃はジャーンシーを離れ、カールピー（कालपी）に行き、抵抗を続ける。

1858年5月30日

カールピーからグワーリヤル（ग्वालियर）に移動。

1858年6月16日

イギリス軍がグワーリヤルに到着し、攻撃。

1858年6月17日

グワーリヤルで殉死。

「ジャーンシー・キー・ラーニー」のテキストは以下のものに基づき、詩節の番号は筆者が付けた。

सुभद्रा कुमारी चौहान: कविताएँ, Palm Leaf Press, India, 2016.

翻訳にあたっては、以下の英訳を適宜に参照した。

https://www.poemhunter.com/i/ebooks/pdf/subhadra_kumari_chauhan_2012_4.pdf
https://allpoetry.com/Jhansi-Ki-Rani-(With-English-Translation)
https://allpoetry.com/Jhansi-Ki-Rani-(With-English-Translation-II-)
https://www.poemhunter.com/poem/jhansi-ki-rani-english-translation/

01.

सिंहासन हिल उठे राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में भी आई फिर से नयी जवानी थी,
गुमी हुई आज़ादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।
चमक उठी सन सत्तावन में, वह तलवार पुरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

英国王座に戦慄　英国王家に懸念
生気なきバーラタにも　再び生気の到来

失われし自由の価値　みなが覚醒
異国人の追放　みなが決意
1857 年[5)]　古き刀剣　光輝を放つ
ブンデーラー族[6)] 兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

02.

कानपूर के नाना की, मुँहबोली बहन छबीली थी,
लक्ष्मीबाई नाम, पिता की वह संतान अकेली थी,
नाना के सँग पढ़ती थी वह, नाना के सँग खेली थी,
बरछी, ढाल, कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थी।
वीर शिवाजी की गाथायें उसको याद ज़बानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

カーンプルのナーナー[7)]　その妹の如きチャビーリー[8)]
名はラクシュミー・バーイー　父の一人娘
ナーナーと学修　体の鍛錬
槍　盾　剣　刀が友
シヴァージーの英雄伝説[9)]　暗誦
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

03.

लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार,
देख मराठे पुलकित होते उसकी तलवारों के वार,
नकली युद्ध-व्यूह की रचना और खेलना खूब शिकार,
सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना ये थे उसके प्रिय खिलवाड़।
महाराष्ट्र-कुल-देवी उसकी भी आराध्य भवानी थी,

बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

ラクシュミー女神かドゥルガー女神　勇猛の化身
刀剣振り翳せば　マラーター人驚嘆
戦陣試案　狩猟
敵軍包囲　砦破壊　得意の遊戯
マハーラーシュトラ族の　女神バヴァーニー[10]崇拝
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

04.

हुई वीरता की वैभव के साथ सगाई झाँसी में,
ब्याह हुआ रानी बन आई लक्ष्मीबाई झाँसी में,
राजमहल में बजी बधाई खुशियाँ छाई झाँसी में,
सुभट बुंदेलों की विरुदावली-सी वह आयी थी झांसी में।
चित्रा ने अर्जुन को पाया, शिव को मिली भवानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

勇猛と栄耀の婚約　ジャーンシーで
結婚後　王妃ラクシュミーバーイーに[11]　ジャーンシーで
王宮に祝福の声　歓喜の嵐　ジャヤーンシーで
勇者　ブンデーラー族が賛辞　王妃はジャヤーンシーに
チトラーとアルジュン[12]　バヴァーニー女神とシヴァ神の如し
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

05.

उदित हुआ सौभाग्य, मुदित महलों में उजियाली छाई,
किंतु कालगति चुपके-चुपके काली घटा घेर लाई,
तीर चलाने वाले कर में उसे चूड़ियाँ कब भाई,
रानी विधवा हुई, हाय! विधि को भी नहीं दया आई।
निसंतान मरे राजाजी रानी शोक-समानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

幸運の訪れ　歓喜の王宮　光輝に満つ
されど　時は歩み　密かに暗雲
矢を放つ手　いつチューリー[13] 似合う？
王妃は寡婦に　ああ！　運命の悪戯
嫡子なく王は他界[14]　王妃に悲哀
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

06.

बुझा दीप झाँसी का तब डलहौज़ी मन में हरषाया,
राज्य हड़प करने का उसने यह अच्छा अवसर पाया,
फ़ौरन फौजें भेज दुर्ग पर अपना झंडा फहराया,
लावारिस का वारिस बनकर ब्रिटिश राज्य झाँसी आया।
अश्रुपूर्णा रानी ने देखा झाँसी हुई बिरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

ジャーンシーの燈火消え　ダルハウジー[15] は歓喜
王国強奪　好機の到来
即刻　兵を派遣　己が旗　城に掲揚

イギリスが相続　ジャーンシーを[16)]
王妃は落涙　ジャーンシーが他の手に
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

07.

अनुनय विनय नहीं सुनती है, विकट शासकों की माया,
व्यापारी बन दया चाहता था जब यह भारत आया,
डलहौज़ी ने पैर पसारे, अब तो पलट गई काया,
राजाओं नव्वाबों को भी उसने पैरों ठुकराया।
रानी दासी बनी, बनी यह दासी अब महरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

哀願を無視[17)]　非道の支配者
バーラタ来訪時　商人なりて　憐れみ懇請
ダルハウジー　徐々に貪欲　態度を豹変
王も行政官も　足蹴りに
王妃は下女に　今や　偉大なる王妃は下女に
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

08.

छिनी राजधानी दिल्ली की, लखनऊ छीना बातों-बात,
कैद पेशवा था बिठूर में, हुआ नागपुर का भी घात,
उदैपुर, तंजौर, सतारा, करनाटक की कौन बिसात?
जब कि सिंध, पंजाब ब्रह्म पर अभी हुआ था वज्र-निपात।
बंगाले, मद्रास आदि की भी तो वही कहानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,

खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

首都デリー奪還[18]　ラクナウ併合
ビトゥール宰相拘留　ナーグプル宰相殺害
ウダイプル　タンジョール　サターラー　カルナータクは誰の手に？
シンドゥ　パンジャーブ　ブラフマ[19]に攻撃
ベンガル　マドラース等も然り
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

09.

रानी रोयीं रनिवासों में, बेगम ग़म से थीं बेज़ार,
उनके गहने कपड़े बिकते थे कलकत्ते के बाज़ार,
सरे आम नीलाम छापते थे अंग्रेज़ों के अखबार,
'नागपुर के ज़ेवर ले लो लखनऊ के लो नौलख हार'।
यों परदे की इज़्ज़त परदेशी के हाथ बिकानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

後宮で王妃は涙　悲しみで衰弱
王妃の宝飾品・衣服　カルカッタ市場で売却
全て競売　イギリス新聞広告に
“ナーグプルの宝石　ラクナウの高級首飾り　購入を”
かくて　城内の威厳　異国人の意のままに
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

10.

कुटियों में भी विषम वेदना, महलों में आहत अपमान,

वीर सैनिकों के मन में था अपने पुरखों का अभिमान,
नाना धुंधूपंत पेशवा जुटा रहा था सब सामान,
बहिन छबीली ने रण-चण्डी का कर दिया प्रकट आहवान।
हुआ यज्ञ प्रारम्भ उन्हें तो सोई ज्योति जगानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

庶民に残虐の苦痛　王宮に侮辱の傷
勇猛なる兵士の心に　祖先への誇り
ナーナー・ドゥンドゥーパント宰相[20)]　装備調達
チャビーリー　戦場のチャンディー女神[21)]となり　兵士を招集
戦いの開始　眠れる光を覚醒
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

11.

महलों ने दी आग, झोंपड़ी ने ज्वाला सुलगाई थी,
यह स्वतंत्रता की चिनगारी अंतरतम से आई थी,
झाँसी चेती, दिल्ली चेती, लखनऊ लपटें छाई थी,
मेरठ, कानपुर, पटना ने भारी धूम मचाई थी,
जबलपूर, कोल्हापुर में भी कुछ हलचल उकसानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

王宮から火　庶民から炎
独立求むるこの火花　心の内より湧出
ジャーンシーの火　デリー　ラクナウに
メーラト　カーンプル　パトナーで蜂起
ジャバルプール　コールハープルで反乱

ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

12.

इस स्वतंत्रता महायज्ञ में कई वीरवर आए काम,
नाना धुंधूपंत, ताँतिया, चतुर अज़ीमुल्ला सरनाम,
अहमदशाह मौलवी, ठाकुर कुँवरसिंह सैनिक अभिराम,
भारत के इतिहास गगन में अमर रहेंगे जिनके नाम।
लेकिन आज जुर्म कहलाती उनकी जो कुरबानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

独立の大いなる戦い　勇者が殉死
ナーナー・ドゥンドゥーパント　ターンティヤー[22)]
アジームッラー　アフマッドシャーフ・マウルヴィー
タークル・クンバール・シン　サイニック・アビラーム
バーラタの歴史に　彼らの名　不滅なれ
されど　当時　彼らの献身　罪とされ
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

13.

इनकी गाथा छोड़, चले हम झाँसी के मैदानों में,
जहाँ खड़ी है लक्ष्मीबाई मर्द बनी मर्दानों में,
लेफ्टिनेंट वाकर आ पहुँचा, आगे बढ़ा जवानों में,
रानी ने तलवार खींच ली, हुया द्वंद असमानों में।
ज़ख्मी होकर वाकर भागा, उसे अजब हैरानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

彼らの称賛措き　ジャーンシーに
ラクシュミー・バーイー　益荒男の如く　聳立し処
ワーカー中尉到着　戦場前進
王妃　刀剣振るい　その音　天空にこだま
ワーカー　負傷し逃亡　大いに当惑
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

14.

रानी बढ़ी कालपी आई, कर सौ मील निरंतर पार,
घोड़ा थक कर गिरा भूमि पर गया स्वर्ग तत्काल सिधार,
यमुना तट पर अंग्रेज़ों ने फिर खाई रानी से हार,
विजयी रानी आगे चल दी, किया ग्वालियर पर अधिकार।
अंग्रेज़ों के मित्र सिंधिया ने छोड़ी रजधानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

100マイルを追跡　王妃　カールピー到着[23)]
馬　疲労で地に伏し　天界に旅立ち
ヤムナー岸にて　英国　再び王妃に敗北
勝利し　王妃の前進　グワーリヤル奪還[24)]
英国の同胞シンディヤー　首都を放棄
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

15.

विजय मिली, पर अंग्रेज़ों की फिर सेना घिर आई थी,
अबके जनरल स्मिथ सम्मुख था, उसने मुहँ की खाई थी,

काना और मंदरा सखियाँ रानी के संग आई थी,
युद्ध श्रेत्र में उन दोनों ने भारी मार मचाई थी।
पर पीछे ह्यूरोज़ आ गया, हाय! घिरी अब रानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

勝利の後　イギリス軍再び包囲
スミス将軍　指揮すれど　敗北
カーナー　マンドラー　王妃に合流
戦場にて　両名　激しき戦闘
されど　背後にヒュー・ローズ　ああ！　今や王妃を包囲
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

16.

तो भी रानी मार काट कर चलती बनी सैन्य के पार,
किन्तु सामने नाला आया, था वह संकट विषम अपार,
घोड़ा अड़ा, नया घोड़ा था, इतने में आ गये सवार,
रानी एक, शत्रु बहुतेरे, होने लगे वार-पर-वार।
घायल होकर गिरी सिंहनी उसे वीर गति पानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

王妃　攻撃かわし　戦場横断
されど　眼前に濠　王妃は窮地に
戦に不慣れな馬は怯み　そこに敵軍到着
王妃ひとりに　敵多勢　連続攻撃の開始
雌獅子負傷し　崩れ落ち　王妃は殉死
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語

益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

17.

रानी गई सिधार चिता अब उसकी दिव्य सवारी थी,
मिला तेज से तेज, तेज की वह सच्ची अधिकारी थी,
अभी उम्र कुल तेइस की थी, मनुज नहीं अवतारी थी,
हमको जीवित करने आयी बन स्वतंत्रता-नारी थी,
दिखा गई पथ, सिखा गई हमको जो सीख सिखानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

火葬壇に乗りて　王妃は旅立ち
彼女に至高の勇気　勇気の体現
わずか 23 歳[25)]　人に非ず　神の化身
独立のため闘う女性　我々が生きるため降臨
道の提示　我々が学ぶべきこと教示
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

18.

जाओ रानी याद रखेंगे ये कृतज्ञ भारतवासी,
यह तेरा बलिदान जगावेगा स्वतंत्रता अविनासी,
होवे चुप इतिहास, लगे सच्चाई को चाहे फाँसी,
हो मदमाती विजय, मिटा दे गोलों से चाहे झाँसी।
तेरा स्मारक तू ही होगी, तू खुद अमिट निशानी थी,
बुंदेले हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी,
खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।।

進め！　バーラタの同胞よ　感謝し　王妃を忘るるなかれ

王妃よ！　お前の犠牲　永遠の独立の覚醒に
歴史語らず　真実の黙殺あろうと
英国が勝利に酔い　ジャーンシーが砲弾で破壊されようと
お前の記憶は残る　お前自身は消せぬ存在
ブンデーラー族兵士の口より　我らが聞きし物語
益荒男の如く　果敢に戦いしジャーンシー王妃

註

1）　ジャーンシーについては、Ganguly p.21ff. 長崎 pp.209ff. 参照。

2）「失権政策」については、長崎 p.210 参照。長崎の指摘によれば、ジャーンシーはそれまで、むしろイギリスに対決しないことによって、延命を図ってきた国であった。

3）　その時に言ったとされる मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी （私は自分のジャーンシーを渡さない）は、王妃の強い決意を表明したものとして、語り継がれている。

4）　この反乱は、シパーヒーが傀儡化していたムガル帝国の老皇帝バハードゥル・シャー2世（बाहदुर शाह II）を擁立し、5月11日、デリー（दिल्ली）のラール・キラー（लाल किला）に向かい、デリーを占拠し、東インド会社の支配に抵抗して起こしたものであり、大反乱の始まりとされる。デリー占拠は4ヶ月しか続かなったが、これがきっかけで、1859年まで各地で断続的に反乱が起きた。日本でシパーヒーは「セポイ」と呼ばれていたため、「セポイの反乱」として知られている。しかし、「第1次インド独立運動」として捉える研究者もいる。鈴木 p.14 参照。この蜂起の呼び名については、長崎 pp.219-230 を参照。「インド大反乱」という呼び名は、長崎に従った。

5）　インド大反乱が始まった年。

6）　ジャーンシーがあったブンデールカンド地方に住んでいた人たち。

7）　マラーター同盟の宰相であったバージー・ラーオ2世の養子のナーナー・サーヒブ（नाना साहिब）で、本名はドゥンドゥーパント（धुंधूपंत）。

8）　バージー・ラーオ2世は幼少期のラクシュミー・バーイーをこう呼んでいた。

9）　マラーター国の建国者シヴァージー・ボーンスレー（शिवाजी भोंसले、1627-1680年）。ムガル帝国等のイスラーム王朝に対抗し、マラーター国の初代君主として1674年から1680年まで在位した。中世におけるインドの代表的な英雄。石田 p.222ff. 参照。

10）　パールヴァティー女神の化身ともされるが、マラーター国があるマハーラーシュトラでは、ドゥルガー女神の化身として崇拝されている。シヴァージーもこの

女神を崇拝していた。

11） 1842年、ジャーンシーの王のガンガーダール・ラーオと結婚する。

12） チトラーはチトラーンガダー（चित्रांगदा）のことで、『マハーバーラタ（महाभारत)』に登場するパーンドゥ（पांडु）の三男アルジュナの妻のひとり。

13） チューリー（夫の存命の象徴である手首の飾り物)。

14） 1851年に誕生した嫡子は4ヶ月で夭逝し、そのまま嫡子に恵まれないまま1853年に死亡した。

15） 1848年から1856年までインド総督を務めたダルハウジー（Dalhousie)。鈴木 p.41ff. 参照。

16） 1848年に発布された「失権政策」に沿ったもの。

17） 1853年から数回にわたって、王妃はジャーンシーを併合しないように嘆願するが、すべて無視された。

18）「インド大反乱」の始まりとなったデリー占拠は 4ヶ月しか続かなかった。

19） アッサム（असम）とする英訳が多い。この地域をブラフマプトラ（ब्रह्मपुत्र）川が流れていることから、ブラフマとも呼ばれているのかもしれない。

20） 上註 7 を参照。

21） ドゥルガー女神の別名。

22） ナーナー・サーヒブの部将のタートヤ・トーペー（तात्या टोपे)。長崎 p.184参照。

23） 長崎 p.218 参照。

24） 鈴木 p.92. 長崎 p.218 参照。

25） 年表に示したように、ラクシュミー・バーイーは30歳で亡くなる。この個所を「30歳」としている英訳もあるが、原文に従った。

参考文献

Devi M. 2016 *Jhamsi ki Rani,* Radhakrishnaprakashan, India. (Hindi)

Ganguly K. 2017 *Jhansi ki Rani; Laxmibai,* Ocean Books, India.

Tahmankar D. V. 2014 *The Ranee of Jhansi,* Rupa Publications, India.

Verma V. L. 2016 *Jhamsi ki Rani,* Prabhat Prakashan, India, (Hindi)

石田保昭 1965 『ムガル帝国』吉川弘文館。

鈴木正四 1955 『インド兵（セポイ）の反乱』青木書店。

長崎暢子 1981 『インド大反乱 1857年』中央公論社。

（武蔵野大学教授）